



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 249]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 26, 2004/कार्तिक 4, 1926

No. 249]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 26, 2004/KARTIKA 4, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 2004

जाँच शुरुआत

विषय: चीनी ताइपेई से सोडियम साइनाइड के आयात के विरुद्ध पाटन रोधी जाँच की शुरुआत।

1. जाँच की शुरुआत

फा0सं0 14/14/2004-डीजीएडी :- चूंकि मै0 साइनाइड एंड केमिकल्स कम्पनी, मुम्बई (जिसे इसके बाद आवेदक प्राधिकारी कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) के अनुसार एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें आस्ट्रेलिया एवं चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम साइनाइड (जिसे इसके बाद सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया है और उपर्युक्त देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु पर पाटन रोधी शुल्क की वसूली के लिए पाटनरोधी जाँच आरम्भ करने का अनुरोध किया है।

और चूंकि प्राधिकारी ने यह पाया है कि वर्ष 2003-04 में आस्ट्रेलिया से सम्बद्ध वस्तु का कोई निर्यात नहीं किया गया है यद्यपि वर्ष 2002-03 में आयात किया गया था और इसलिए उस देश से पाटन के आरोप का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य नहीं बनता है। तथापि, चीनी ताइपेई से उसी अवधि में भारी आयात का पाटन किया गया है और किए गए अनुरोध के आधार पर प्राधिकारी का यह विचार है कि इस देश से सम्बद्ध वस्तु के पाटन का प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है। प्रदत्त सूचना के आधार पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटित आयात एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य है। इसलिए प्राधिकारी, चीनी ताइपेई से आयातित सम्बद्ध वस्तु के आरोपित

पाटन जो घरेलू उद्योग को क्षति के परिणामस्वरूप किसी आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव को निर्धारित करने तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने, जिसकी यदि वसूली की जाती है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार उक्त आरोपित पाटन की एतद्वारा जांच प्रारम्भ करते हैं।

2. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में सम्मिलित उत्पाद सम्बद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित उत्पाद सोडियम साइनाइड है जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 283711 के अन्तर्गत वर्गीकृत है जिस पर 9.1.2004 से 20% मूल शुल्क लागू है। यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। सोडियम साइनाइड एक शुद्ध मूल अकार्बनिक रसायन है। इसका निर्माण हाइड्रो साइनिक एसिड (एच सी ए) के साथ कास्टिक सोडे की प्रतिक्रिया से होता है। इसका प्रयोग मुख्य रूप से उद्योगों द्वारा रंजक मध्यवर्ती उत्पाद, इलैक्ट्रोप्लेटिंग रसायनों और ऊष्मा अभिक्रिया लवण के निर्माण के लिए किया जाता है।

3. घरेलू उद्योग और आधार

यह आवेदन मै0 साइनाइड्स एंड केमिकल्स कम्पनी (सीसीसी) (प्रो0 हिन्दुस्तान इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0) द्वारा दायर किया गया है जो भारत में सम्बद्ध वस्तु के कुल उत्पादन के 60% से अधिक का उत्पादन करती है। भारत में सम्बद्ध वस्तु के एकमात्र दूसरे उत्पादक गुजरात अल्कालीज एंड केमिकल लि. (जीएससीएल) हैं जिन्होंने सी सी सी द्वारा दायर आवेदन का समर्थन किया है। आवेदक की आधार संबंधी अपेक्षा की जांच उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार की है और प्राधिकारी का यह मत है कि आवेदक का शामिल उत्पादों के घरेलू उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है और इसलिए वह उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3)(क) के अनुसार आवेदन दायर करने के लिए घरेलू उद्योग के रूप में आधार संबंधी मानदंड को पूरा करते हैं।

4. समान वस्तुएं

आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देश से आयातित सोडियम साइनाइड की सभी अनिवार्य विशेषताएं समान हैं और इसलिए वे नियमानुसार उक्त पद के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

5. सामान्य मूल्य

आवेदक ने आरोप लगाया है कि सम्बद्ध देश से निर्यात उस मूल्य पर किया जा रहा है जिसमें, उत्पादन से जुड़ी लागत शामिल नहीं है। इसलिए सम्बद्ध देश में सम्बद्ध वस्तु के कारखाना द्वारा पर सामान्य मूल्य का आकलन सम्बद्ध देश में उत्पादन लागत जमा उचित लाभ से संबंधित आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

6. निर्यात कीमत :

अलग-अलग उत्पादों की निर्यात कीमत का अनुमान डीजीसीआईएंडएस तथा अन्य गौण स्रोतों से एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर लगाया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, निर्यात के देशों/क्षेत्रों में आंतरिक परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभारों के कारण समायोजित किए गए हैं।

7. पाटन मार्जिन

इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह पता चलता है कि सम्बद्ध देश के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

आवेदक ने शामिल देश से सम्बद्ध वस्तु के आयात के कारण क्षति संबंधी विभिन्न मापदण्डों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। आयातों की मात्रा में समग्र रूप से और उत्पादों की मांग के संबंध में वृद्धि, बाजार हिस्से की हानि, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास, निवेशों पर कम आय, लाभप्रदता एवं सम्बद्ध वस्तु के विनिर्माण में नकदी की हानि जैसे मापदण्डों से संचयी एवं सामूहिक रूप से प्रथम दृष्ट्या यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को सम्बद्ध देश से पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

9. प्रक्रिया

(क) **शामिल देश :** यद्यपि आवेदक ने चीनी ताइपेई एवं आस्ट्रेलिया के विरुद्ध दो अलग-अलग जांच अवधि के साथ पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है, तथापि, प्राधिकारी एतद्वारा केवल चीनी ताइपेई के विरुद्ध ही जांच की शुरुआत करते हैं क्योंकि वर्ष 2003-04 के दौरान आस्ट्रेलिया से कोई आयात नहीं हुआ है जिससे उस देश से पाटन जारी रहने का पता चलता हो।

(ख) **जांच अवधि :** वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 01.04.2003 से 31.03.2004 तक की है। तथापि, क्षति संबंधी जांच की अवधि में 2000-01 से 2002-03 की अवधि और जांच अवधि शामिल है।

(ग) **सूचना प्रस्तुत करना :** सम्बद्ध देश के निर्यातकों, भारत स्थित उनके दूतावासों/प्रतिनिधियों के जरिए उनकी सरकारों, भारत में सम्बन्धित समझे जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग से अनुरोध किया जाता है कि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करें और अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत कराएँ :

निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,
वाणिज्य विभाग,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली- 110011

कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से जांच से संगत अपने अनुरोध कर सकती है।

(घ) समय सीमा

वर्तमान जांच से सम्बन्धित कोई सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जो इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 (चालीस) दिनों से पूर्व उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुँचा जाए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा रहा है उन्हें उक्त सूचना, उन्हें लिखे गए पत्र की तारीख से 40 (चालीस) दिनों के भीतर प्रस्तुत करनी होगी।

(ड.) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार, कोई हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय अंश रखे गए हैं। यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है अथवा उसे उचित अवधि के भीतर अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th October, 2004

Initiation

Subject: Initiation of Anti-Dumping investigation against import of Sodium Cyanide from Chinese Taipei.

1. Initiation

F. No. 14/14/2004-DGAD.— WHEREAS M/s Cyanides and Chemicals Company, Mumbai (herein after referred to as applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 (herein after referred to as the Act) and

Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of Sodium Cyanide (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from Australia and Chinese Taipei and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods originating or exported from the above countries.

AND WHEREAS, this Authority finds that no export of the subject goods have been reported from Australia in the year 2003-04 though imports were reported in the year 2002-03 and therefore, finds no prima facie evidence of allegation of dumping from that country. However, there is substantial import from Chinese Taipei dumping the same period and on the basis of submissions made, this Authority is of the view that there is sufficient prima facie evidence of dumping of subject goods from this country. On the basis of information provided there is prima facie evidence of injury caused to the domestic industry and causal link between the dumped imports and injury suffered by the domestic industry. Therefore, this Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping of the subject goods from Chinese Taipei, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2. Products under consideration

The product involved in the present investigation is Sodium Cyanide, originating in or exported from the subject countries, classified under Customs subheading 283711 of Customs Tariff Act attracting 20% basic duty with effect from 9.1.2004. This classification is only indicative and in no way binding on the scope of present investigation. Sodium Cyanide is a pure basic inorganic chemical. It is manufactured by reacting Hydro Cyanic Acid (HCN) with Caustic Soda. It is mainly used by industries such as dye intermediates, Electro-plating chemicals and for manufacture of heat treatment salts.

3. Domestic industry and Standing

The application has been filed by M/s Cyanides and Chemicals Company (CCC) (Prop. Hindustan Engineering & Industries Ltd.) who produces more than 60% of total domestic production of the subject goods in India. The only other domestic producer of the subject goods in India is Gujarat Alkalies & Chemical Ltd. (GACL) who has supported the application made by CCC. Standing requirement of the applicant has been examined in terms of the Rule 5 of the said Rules and this Authority is of the opinion that the applicant commands major proportion of domestic production of the product involved and therefore, satisfy the criteria of standing as domestic industry to file this application in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules.

3220-517/2004-2

4. Like articles

The applicant has claimed that Sodium Cyanide produced by the domestic industry and imported from subject country are identical in all essential characteristics and therefore, like articles within the meaning of the term as per the Rules.

5. Normal values

The applicant has alleged that the exports from the subject country are being made at prices not supported by associated cost of production. Therefore, the ex-works normal value of the subject good in the subject country has been estimated on the basis of the data available on cost of production of the goods in the subject country plus a reasonable profit.

6. Export prices

The export prices of individual products have been estimated on the basis of data collected from DGCI&S and other secondary sources. Adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the Countries/territories of export, port handling and port charges have been made to arrive at the Export Price at ex-factory level.

7. Dumping margins

There is sufficient evidence that Normal Values of the subject goods in the subject country is significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject country.

8. Injury and causal link

The applicant has furnished information on various parameters relating to injury on account of the import of the subject goods from the country involved. Parameters, such as increase in volume of imports both in absolute terms and in relation to the demand of the products, loss in market share, price under-cutting, price under-selling, Price depression, low return on investments, profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods, prima-facie indicate, that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping from the subject country.

9. Procedure

- a) **Countries involved** Though the applicant has requested for initiation of an antidumping investigation against Chinese Taipei and Australia with two different Periods of Investigations, the Authority hereby initiates the investigation against Chinese Taipei alone as there is no imports from Australia during 2003-04 to demonstrate continuation of dumping from that country.

- b) **Period of investigation (POI):** The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is **1.4.2003 to 31.3.2004**. The injury investigation period will however, cover the period 2000-01 to 2002-03 and the POI.
- c) **Submission of information :** The exporters in the subject Country, their governments through their embassies/ representatives in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

**The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Department of Commerce
Udyog Bhavan
New Delhi-110011.**

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

d) Time limit

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than **forty (40) days** from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within **(40) forty days** from the date of the letter addressed to them.

e) Inspection of public file

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority